



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 539] मई बिल्ली, शुक्रवार, दिसम्बर 17, 1976/अग्रहायण 26, 1898

No. 539] NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 17, 1976/AGRAHAYANA 26, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

NOTIFICATION

New Delhi, the 17th December 1976

S.O. 801(E)/IDRA/29B/76.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 29B of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development (Department of Industrial Development) No. S.O. 98(E)/IDRA/29B/73/1 dated the 16th February, 1973, (hereinafter referred to as the principal notification), namely:—

In Schedule I to the principal notification, for item No. 148, the following item shall be substituted namely:—

“148 (a) Electric Motors upto 10 HP (7.5 K.W.) A.C. Single Phase/Three Phase Squirrel Cage Induction Motors excluding the following:—

- (i) Flame-proof motors.
- (ii) Specially designed motors for specific duties.
- (iii) Variable speed motors such as pole-changing motors.
- (iv) Loom/Textile motors.
- (v) Motors for hermetically sealed and semi-sealed compressors.

(b) FHP Motors 1/8 HP to 1 H.P. A.C. Single Phase/Three Phase Squirrel Cage Induction motors excluding the following:—

- (i) Motors for hermetically sealed and semi-sealed compressors.
- (ii) Flame-proof motors.
- (iii) Loom/Textile motors.”.

2. In pursuance of sub-section (2) of section 29B of the said Act, the Central Government hereby specifies a period of six months from the date of publication of this notification in the Official Gazette as the period after the expiry of which no owner of any industrial undertaking, engaged in the manufacture of any article or articles added to the principal notification by paragraph 1, shall carry on the business of such undertaking except under and in accordance with a licence issued in this behalf by the Central Government, and in the case of a State Government, except under and in accordance with the previous permission of the Central Government.

[No. 12(109)/LP/73-Vol. II.]

D. K. SAXENA, Jt. Secy,

उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 17 दिसम्बर, 1976

का० प्रा० 801 (अ) आई डी आर ए/29ख 76.—केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 29ख की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के भूतपूर्व औद्योगिक विकास मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) की अधिसूचना सं० का० प्रा० 98 (असा०)/आई डी आर ए/29ख/73/1, ता. 16 फरवरी, 1973 में (जिसे इसमें इसके पश्चात् मूल अधिसूचना कहा गया है) निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

मूल अधिसूचना की अनुसूची 1 में, मद सं० 148 के स्थान पर निम्नलिखित मद रखी जाएगी, अर्थात् :—

“148(क) विद्युत मोटर 10 एच० पी० (7.5 कि० वा०) ए० सी० सिगिल फ्रेज/थ्री फ्रेज स्क्विरेल केज इन्डक्शन मोटर, निम्नलिखित को छोड़ कर:—

(i) ज्वाला मोटरें ।

(ii) विनिर्दिष्ट कार्यों के लिए विशेष रूप से डिजाइन की हुई मोटरें ।

(iii) ध्रुव परिवर्तक मोटरों जैसी परिवर्ती गति मोटरें ।

(iv) करघा/टैक्सटाइल मोटरें ।

(v) समुद्रित और अर्द्ध-समुद्रित संपीडकों (काम्पेसर) के लिए मोटरें ।

(ख) एक० एच० पी० मोटर $\frac{1}{8}$ एच० पी० से 1 एच० पी० तक ए० सी० सिगिल फ्रेज/थ्री फ्रेज स्क्विरेल केज इन्डक्शन मोटर, निम्नलिखित को छोड़ कर :—

(i) समुद्रित और अर्द्ध-समुद्रित संपीडकों के लिए मोटरें ।

(ii) ज्वालासह मोटरें ।

(iii) करघा/टैक्सटाइल मोटरें ।” ।

2. केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 29ख की उपधारा (2) के अनुसरण में, राजपत्र में उस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से छह मास की अवधि को ऐसी अवधि के रूप में धिनिदिष्ट करती है, जिसकी समाप्ति के पश्चात्, पैरा 1 1रा मूल अधिसूचना में जोड़ी गई किसी वस्तु या किन्हीं वस्तुओं के धिनर्माण में लगे हुए किसी औद्योगिक उपक्रम का कोई स्वामी ऐसे उपक्रम का कार बार केन्द्रीय सरकार द्वारा इस निमित्त जारी की गई अनुज्ञप्ति के अधीन और उसके अनुसार करने के सिवाए, और राज्य सरकार की दशा में, केन्द्रीय सरकार की पूर्ण अनुज्ञा के अधीन और उसके अनुसार करने के सिवाए, नहीं करेगा।

[सं० 12 (109)/एल पी /73—जिल्द II)

डी० के० सक्सेना, संयुक्त सचिव।

